सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत पांजा) : (क) और (ख) "भगीरथ" का प्रकाशन बन्द नहीं किया गया है किन्तु कुशल प्रबन्ध के लिए इसके प्रकाशन का कार्य केन्द्रीय जल आयोग को हस्तांतरित कर दिया गया है जो वास्तव में इस पत्रिका के सम्पादकीय कर्मचारियों पर सीधा प्रशासनिक नियंत्रण रख रहा था।

(ग) इस पत्रिका के सम्पादकीय कर्मचारियों को केन्द्रीय सूचना सेवा में शामिल करने का कोई प्रस्ताव इस मंत्रालय में पैंडिंग नहीं है।

बड़े, मझौले तथा लघु समाचारपत्रों को दिये जाने वाले विज्ञापनों का अनुपात

371. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में बड़े, मझौले तथा लघु समाचारपत्रों की संख्या और प्रतिशत कितना है ;

(ख) दृश्य-श्रव्य प्रचार निदेशालय द्वारा उनमें से प्रत्येक को किस अनुपात में विज्ञापन दिये गये ; और

(ग) समाचार पत्रों की प्रत्येक श्रेणी को पृथक्-पृथक तथा वार्षिक तौर पर औसतन कितने मूल्य के विज्ञापन दिये गये ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत पांजा) : (क) 31-12-1985 के दिन की स्थिति के अनुसार, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के पास उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार बड़े, मझौले तथा लघु समाचारपत्रों की संख्या इस प्रकार थी :—

बड़े	212	0.94
मझौले	457	2.00
लघु	21,979	97.06
	22,648	100.00

(ख) और (ग) विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय की माध्यम सूची में शामिल विभिन्न श्रेणियों के समाचारपत्रों (इम्पलायमेंट न्यूज/रोजगार समाचार को छोड़कर) को 1985-86 के दौरान जारी किए गए विज्ञापनों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

श्रेणी	समाचारपत्रों की संख्या	प्रतिशतता	स्थान-कालम सेंटीमीटर में	प्रतिशतता	धनराशि	प्रतिशतता
लघु	2,358	84.12	1801744	37.36	7630536	16.79
मझौले	308	11.02	1750108	36.37	13434972	29.57
बड़े	110	4.65	1267288	26.27	24375555	53.64
योग :	2,796	100.00	4823140	100.00	45441059	100.00

Inadequacy of telecommunication network in the country

372. SHRIMATI PRATIBHA DEVI SINGH PATIL: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that telecommunications network in our country is woefully inadequate; and

(b) if so, what steps Government propose to take to set things right?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) Telecommunication network in our country is not yet adequate.